07 • पटना • रविवार • 21 जुलाई 2013 हिन्दुस्तान

मनरेगा साफ्ट में होंगे कई बदलाव

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मनरेगा की मॉनिटरिंग और अपडेट स्थिति की जानकारी देने के लिए मनरेगा सॉफ्ट नामक सॉफ्टवेयर तैयार है। यह प्रणाली केन्द्र सरकार की ग्रामीण विकास विभाग की वेबसाइट से लिंक है। इसमें मनरेगा योजना से जुड़ी तमाम जानकारियां अपलोड रहती हैं। इसका संचालन केन्द्रीय ग्रामीण विकास विभाग करता है। इस सॉफ्टवेयर को ज्यादा प्रभावी और अपडेट बनाने के लिए राज्य ग्रामीण विकास विभाग ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास विभाग को कई बिन्दुओं पर सुझाव भेजा है। इससे पहले विभाग ने इस मामले में सभी डीडीसी से भी सुझाव मंगवाया था।

दूर होगी परेशानी

- मनरेगा की मॉनिटरिंग व अपडेट स्थिति की जानकारी देने के लिए मनरेगा सॉफ्ट तैयार
- राज्य का ग्रामीण विकास विभाग भेजेगा केन्द्र को सुझाव

विभाग ने चार महत्वपूर्ण सुझाव भेजे हैं, जिसके तहत सॉफ्टवेयर के मॉड्यूल में बदलाव करने की जरूरत बतायी गई है। साथ ही इसका वर्षवार खाता मेंटेन करने की व्यवस्था करने को कहा गया है। मनरेगा योजना के तहत पौधरोपण योजना को मनरेगा सॉफ्ट पर अपडेट करने की सुविधा नहीं है। वर्तमान में इसे तीन साल पर अपडेट करने की व्यवस्था है। इससे इस योजना के क्रियान्वयन में काफी परेशानी होती है।

इसके अलावा मनरेगा सॉफ्ट में अभी महादलितों का कोई कॉलम नहीं है। अभी सिर्फ एससी-एसटी का ही कॉलम है। इस वजह से महादलितों को किस जिला या पंचायत में कितना काम मिला, इसकी जानकारी नहीं हो पाती है। महादलितों के लिए अलग से कॉलम बनाने का सुझाव दिया गया है। किस पंचायत को कितने पैसे मिले हैं, इस फंड फ्लो का हिसाब अभी पता नहीं चला पाता है।